5

Title: Awarding great Indian Revolutionary, Social Reformist posthumously.

श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल (जलगाँव): धन्यवाद सभापति महोदय । महाष्ट्र को वीर सावरकर, ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले जैसे क्रांतिकारियों और सुधारवादियों की भूमि के रूप में जाना जाता है । वीर सावरकर एक स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता, समाज सुधारक और हिन्दुत्व के सूत्रधार थे । महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले एक समाज सुधारक थे, जिन्होंने जाति व्यवस्था और असमानता के खिलाफ लड़ाई लड़ी । उन्होंने वर्ष 1873 में ?सत्यशोधक समाज? की स्थापना की, ताकि समाज के पिछड़े वर्ग को उनका अधिकार दिया जाए । वर्ष 1848 में भिडेवाडा, जो पुणे में है, वहां पहला स्कूल शुरू करने का श्रेय उन्हें दिया जाता है । वे उस स्कूल की शिक्षिका भी थीं । उन्होंने समानता, शिक्षा और हिन्दुत्व के लिए लड़ने के साथ-साथ हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में एक बड़ी भूमिका निभाई है । मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि हमारे देश में उनके योगदान को सम्मान देने के लिए वीर सावरकर जी, महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले को मरणोपरान्त सम्मानित किया जाना चाहिए । यह हमारे राष्ट्र के लिए उनके बहादुर प्रयासों एवं बलिदानों के लिए एक श्रद्धांजलि होगी और यह भविष्य की पीढ़ी को भी प्रेरित करेगी ।